This question paper contains 2 printed pages. **May-June, 2024**

Roll No.	**:**	
Unique Paper Code	**:**	**121301203**
Title of the Paper	**:**	**साहित्य: मेघदूत एवं उत्तररामचरित** **Sāhitya:Meghadūta&Uttararāmacarita**
Name of the Course	**:**	**M.A., Sanskrit, LOCF**
Type	**:**	**CC**
Semester	**:**	**II**
Duration	**:**	**3 Hours**
Maximum Marks	**:**	**70**

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper

(इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए ।)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1 निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए: **7 x 2 = 14**

Explain the following:

i. प्रत्यासन्ने नभसि दयिताजीवितालम्बनार्थी
जीमूतेन स्वकुशलमयीं हारयिष्यन्प्रवृत्तिम्।
स प्रत्यग्रैः कुटजकुसुमैः कल्पितार्घाय तस्मै
प्रीतः प्रीतिप्रमुखवचनं स्वागतं व्याजहार ॥

अथवा/OR

त्वामासारप्रशमितवनोपप्लवं साधुमूर्ध्ना
वक्ष्यत्यध्वश्रमपरिगतं सानुमानाम्रकूटः ।
न क्षुद्रोऽपि प्रथमसुकृतापेक्षया संश्रयाय
प्राप्ते मित्रे भवति विमुखः किं पुनर्यस्थतथोच्चैः॥

ii. मन्दाकिन्याः सलिलशिशिरैः सेव्यमाना मरुद्भि–
र्मन्दाराणामनुतटरुहां छायया वारितोष्णाः ।
अन्वेष्टव्यैः कनकसिकतामुष्टिनिक्षेपगूढैः
संक्रीडन्ते मणिभिरमरप्रार्थिता यत्र कन्याः ॥

अथवा/OR

गत्वा सद्यः कलभतनुतां शीघ्रसंपातहेतोः
क्रीडाशैले प्रथमकथिते रम्यसानौ निषण्णः ।
अर्हस्यन्तर्भवनपतितां कर्तुमल्पाभासं
खद्योतालीविलसितनिभां विद्युदुन्मेषदृष्टिम् ।।

2. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए: **7 x 2 = 14**

Explain the following:

i. किन्त्वनुष्ठाननित्यत्वं स्वातन्त्र्यमपकर्षति।
सङ्कटा ह्याहिताग्नीनां प्रत्यवायैर्गृहस्थता।।

अथवा/OR

अथेदं रक्षोभिः कनकहरिणच्छद्मविधिना
तथा वृत्तं पापैर्व्यथयति यथा क्षालितमपि।
जनस्थाने शून्ये विकलकरणैरार्यचरितै–
रपि ग्रावा रोदित्यपि दलति वज्रस्य हृदयम्।।

ii. विरोधो विश्रान्तः प्रसरति रसो निर्वृतिघन–
स्तदौद्धत्यं क्वापि व्रजति विनयः प्रह्वयति माम्।
झटित्यस्मिन्दृष्टे किमिति परवानस्मि यदि वा
महार्घस्तीर्थानामिव हि महतां कोऽप्यतिशयः।।

अथवा/OR

त्रातुं लोकानिव परिणतः कायवानस्त्रवेदः
क्षात्रो धर्मः श्रित इव तनुं ब्रह्मकोशस्य गुप्त्यै ।
सामर्थ्यानामिव समुदयः संचयो वा गुणाना–
माविर्भूय स्थित इव जगत्पुण्यनिर्माणराशिः ॥

3. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिये। एक टिप्पणी अनिवार्य रूप से **संस्कृत** में होनी चाहिए– **5+5+5+7=22**

Write short notes on the following, one of the notes must be in **Sanskrit.**

i. मेघालोके भवति सुखिनोऽप्यन्यथावृत्ति चेतः।

अथवा/OR

मेघदूत का उपजीव्य

ii. यक्षिणी की विरहावस्था का वर्णन (Description of Yakshini's Virahavastha)

अथवा/OR

प्रायः सर्वो भवति करुणावृत्तिरार्द्रान्तरात्मा।

iii. तीर्थोदकं च वह्निश्च नान्यतः शुद्धिमर्हतः ।

अथवा / OR

आनन्दग्रन्थिरेकोऽयमपत्यमिति पठ्यते।

iv. गुणाः पूजास्थानं गुणिषु न च लिङ्गं न च वयः।

अथवा / OR

उत्तररामचरित में अन्तिम अङ्क का महत्त्व

4. मेघदूत के आधार पर कालिदास के भौगोलिक ज्ञान की समीक्षा कीजिए। **10**

Critically examine the geographical knowledge of Kalidasa as displayed in *Meghadūta.*

अथवा / OR

मेघदूत के काव्य–सौन्दर्य की शास्त्रीय समीक्षा कीजिए।

On the basis of Shastras analyse the poetic beauty of *Meghadūta.*

5. उत्तररामचरित में स्त्री–चरित्रों के भवभूति–कृत चित्रण का मूल्याङ्कन प्रस्तुत कीजिये। **10**

Evaluate the Bhavabhuti's portrayal of female characters in the *Uttararāmacarita*.

अथवा / OR

उत्तररामचरित में भवभूति द्वारा मूल रामकथा में किये गये परिवर्तनों के औचित्य की परीक्षा कीजिए।

Examine the justification for the changes made by Bhavabhuti in the *Uttararāmacarita* to the original story of Ramakatha.